पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री जनेश्वर मिश्र): (क) जी, नहीं।

(ख) उपर्युक्त (क) के उत्तर को देखते हुए प्रश्न नहीं उठता।

(ग) इस क्षेत्र में अब तक किए गए अन्वेषण से जी के-22 सी और जी के-29 नामक दो संरचनाओं में गैर-वाणिज्यिक गैस खोजों की पहचान की गई है।

(घ) और (ङ) ऐसा कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है।

उत्तर प्रदेश के कूरेभार क्षेत्र में पैट्रोल पम्प

407. **श्रीमती मालती शर्मा: क्या पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मंत्रालय के नियंत्रणाधीन किसी तेल कम्पनी ने उत्तर प्रदेश में सुल्तानपुर जिले के कूरेभार क्षेत्र में पैट्रोल पम्प खोलने के संबंध में साक्षात्कार हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किए हैं;

(ख) यदि हां, तो कब और उक्त विज्ञापन किस समाचार-पत्र में प्रकाशित हुआ था और कूरेभार क्षेत्र में इस पत्र को कितनी संख्या में वितरित किया जाता है तथा इस विज्ञापन का और उसके जवाब में प्राप्त आवेदन पत्रों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि आवेदन-पत्र आमंत्रित करने की कार्यवाही ऐसे गुप-चुप ढंग से की गई कि कुछ चुनिंदा लोग ही इससे लाभान्वित हो सकें; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और क्या इस संबंध में फिर से विज्ञापन जारी किया जाएगा?

पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री जनेश्वर मिश्र): (क) जी, हां।

(ख) इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड ने 3 नवम्बर, 1994 के स्वतंत्र भारत और पायनियर में उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर के कूरेभार में एक खुदरा बिक्री डीलरशिप खोलने के लिए विज्ञापन दिया है। इसी प्रकार हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लि० ने भी वहां एक खुदरा बिक्री डीलरशिप खोलने के लिए 18 अप्रैल, 1997 के टाइम्स आफ इंडिया और दैनिक जागरण में विज्ञापन दिया है। कूरेभार में इन समाचार पत्रों की परिचालन की सही सही संख्या तुरन्त उपलब्ध नहीं है। फिर भी इन समाचार पत्रों का व्यापक परिचालन है। उपर्युक्त विज्ञापनों के प्रत्युत्तर में आई ओ सी और एच पी सी को आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तारीख तक क्रमशः 72 और 35 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

(ग) और (घ) इस संबंध में एक निर्णय सरकार के विचाराधीन है।

Problem faced by Barauni Oil Refinery in Begusarai District

408 SHRI AMAR SINGH: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that barauni Oil Refinery in Begusarai district has become a happy hunting ground for oil mafias which enjoy political patronage;

(b) whether it is a fact that 96,225 litres of petrol was lost through pilferage during the last year from this refinery as per record of CISF and if so, the details thereof; and

(c) what are the details of mafia gang involved in the pilferage and the steps taken to curb their activities during the last year and with what results?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI JANESHWAR MISHRA): (a) to (c) According to IOC there is no pilferage of products from Barauni Refinery. However, there has been some instances of pilferage of Motor Spirit (MS) during transportation from Barauni Refinery to Raxaul Depot. Approximately a quantity of about 96 KL of MS was reported short during May 1996 to December 1996 of an approximate ex-depot value of Rs. 15.66 lakhs.

The various concerned agencies have been directed to take strict action in detection and combating of pilferage.

IOC have system of checks and balances coupled with close monitoring of loading and despatch of all petroleum products from the refinery premises.

Besides, a full compliment of CISF personnel are deployed in the refinery premises for security including prevention of pilferage.